रेशम कीट
विसंक्रमण तकनीक
(DISINFECTION)

रेशम कीट संभाग
शेर–ऐ–कश्मीर
कृषि विज्ञान एवं प्रौदयोगिकी
विश्वविद्यालय–जम्मू
उदयवाला, जम्मू–180 002

रेशम कीट विसंक्रमण तकनीक (DISINFECTION)

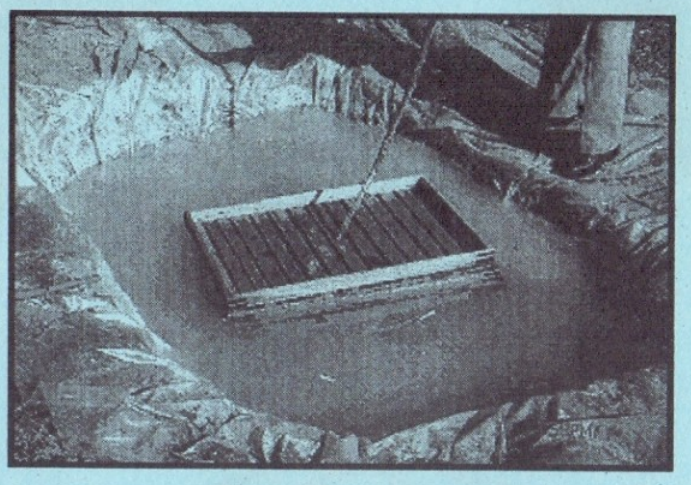

रेशम कीट संक्रमण (Infection) मुक्त बनाने की तकनीक को विसंक्रमण और उसमें प्रयोग होने वाले रसायनों (Chemicals) को विसंक्रमक (Disinfectants) कहते है। छोटी अवस्था के रेशम कीट बहुत ही नाजुक और कमजोर होते है। इसलिए इनका विशेष धयान रखना जरूरी है। जरा सी लापरवाही से पूरी फसल नष्ट हो सकती है। इन कीटो को सबसे ज्यादा खतरा बैक्टीरीया, वायरस, फंफूद, प्रोटोजूअन आदी जैसे कीटाणु से होता है। ये आसानी से हवा की मद्द से कीटपालन कक्ष तक पहुँच जाते हैं। इसलिए कीटपालन से पहले कीटपालन कक्ष, कीटपालन के काम आने वाले उपकरण आदी को संक्रमण मुक्त बनाना जरूरी है। विसंक्रमण अच्छी फसल पाने का आसान और कारगर तरीका है।

विसंक्रमण के तरीके: विसंक्रमण दो मुख्य तरीकों से किया जा सकता है।

(1) PHYSICAL METHOD:

इस तकनीक के द्वारा सारे उपकरणों को धूप में रखने से विसंक्रमित किया जा सकता है। तेज धूप में बीमरियां फैलाने वाले जीवाणु मर जाते है। यह तकनीक केवल ग्रष्मि ऋतु में लाभदायक रहती है जब तापमान 40°c तक होता है। इस तापमान पर कीटाणु प्रायः मर जाते हैं।

(2) CHEMICAL METHOD:

इस तकनीक को बहुत से तरीको से प्रयोग में लाया सकता है। जैसेः छिड़काव, धूमन आदि जिन्मे निन्नलिखत रसायन प्रमुख है।

(i) **फार्मलीनः** यह रसायन धूमन तकनीक के लिए ज्यादा उपयोगी है। इसके लिए तापमान 25°c और आद्रता 70% होना चाहिए। इसे हवाबंद कमरों में प्रयोग करना चाहिए। फार्मलीन का 2% घोल बहुत उपयोगी है, जिसमे 0.05% बुझा हुआ चूना मिलाकर बनाया जाता है।

(ii) **ब्लीचिंग पाऊडरः** यह सफेद रंग का पाऊडर होता है जिसमें क्लोरीन की तीखी महक होती है। 2% ब्लीचिंग पाऊडर को 0.3% बुझे चूने में मिलाकर इसका घोल छिड़काव के रूप में प्रयोग करते है। इसे हम खुली जगह पर भी प्रयोग करते है बचे हुए ब्लीचिंग पाऊडर को हवा से बचाकर सील बंद करना चाहिए ताकी ये रसायन नमी से अपनी गुणवत्ता न खोए।

(iii) **बुझा चूनाः** इसे अकेले या ब्लीचिंग पाऊडर के साथ घोल बनाकर कीटपालन कक्ष के बाहर छिड़के। इसे बोरी में भरकर कीटपालन कक्ष के कोनों में रखें। जिससे वातावरण की अतिरिक्त नमी को कम किया जा सकता है।

(iv) **क्लोरीन डाईओक्साईडः** इसे कीटपालन कक्ष में प्रयोग किया जाता है। यह बाकी रसायनों के मुकाबले में ज्यादा महंगा होता है।

विसंक्रमण के लिए जरूरी सामान

(i) विसंक्रमक (फार्मलीन, ब्लीचिंग पाऊडर,बुझा चूना आदी)

(ii) स्प्रे पम्प (iii) मलमल

(iv) बालटी (v) तराजू

(vi) दस्ताने (vii) मास्क

विसंक्रमक बनाने की विधी

फार्मलीन और बुझा चूनाः इस मिश्रण को बनाने के लिए 1 भाग फार्मलीन में 17 भाग पानी मिलाकर घोल बनाए। 1 लीटर पानी मे 0.05 ग्रा० पीसा हुआ बुझा चूना मिलाए और अच्छे से हिलाकर घोल बनांए।

ब्लीचिंग पाऊडर (Bleaching Powder) 2.5% ब्लीचिंग पाऊडर का घोल बनाने के लिए 20g रसायन को 1 लिटर पानी और 3g बुझा चूना के साथ प्रयोग करें । इस घोल को मलमल के कपडे से छान लें और प्रयोग करें।

बुझा चूना :- (Slaked Lime) पत्थर चूने को रात भर पानी में डुबोकर उसे पाऊडर बनने तक रखें। इसके बाद इसे अच्छे से सुखाकर पीस लें और इस्तेमाल करें।

विसंक्रमक की मात्रा : विसंक्रमक की मात्रा कमरे के आकार पर निर्भर करती है। 10cft कमरे की दीवारों , फर्श आदि के लिए 18 ली० विसंक्रमक प्रयाप्त है। ये मात्रा लगभग दो ली प्रति वर्ग जगह के लिए उपयुक्त है ।

विसंक्रमक प्रयोग करने की विधी

सारे उपकरण जो कीटपालन में प्रयोग होते हैं उन सब को विसंक्रमक घोल में आधा घंटा भिगोकर फिर खुली धूप में सुखा ले।

छिडकाव (Spray):- फर्श को 5% ब्लीचिंग पाऊडर से अच्छी तरह रगड़ कर साफ करें। सारे उपकरण कीटपालन कक्ष में रखें। दीवारों व, खिडकियों की दरारों में घोल को अच्छे से छिडक कर कमरों को 24 घंटे के लिए बंद रखें।

धूमन (Fumigation):- इसे हवाबंद कमरे में प्रयोग किया जा सकता है। जिसमें 1 भाग पानी और 1 भाग फार्मलीन इस्तेमाल किया जाता है। इस घोल को सिगडी या हीटर पर गर्म करें। कमरों को बंद कर दें । कमरें में आद्रता **(Humidity)** 75% के करीब होनी ज़रूरी है।

विसंक्रमण करने के लिए दोपहर का समय उपयुक्त माना जाता है क्योंकि इस समय तापमान सब से ज्यादा होता है :.

सावधानियाँ (PREVENTION)

- रसायन जहरीले होते हैं इसलिए इन्हें संभाल कर प्रयोग में लांए।
- रसायन प्रयोग करते समय आखें, नाक आदि किसी कपड़े से अच्छी तरह बांध लें ।
- प्रयोग करते समय पूरे शरीर को ढ़क कर काम करें।
- कमरे में रसायन छिडकने के बाद उसे अच्छे से बंद कर दें।

PUBLISHED BY:

Division of Sericulture
SKUAST - J, Udheywalla,
Jammu - 180002